>

Title: Regarding pitiable condition of Muslims and 17 backward castes of Uttar Pradesh and their inclusion in the Scheduled Caste List.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। उत्तर प्रदेश में 17 जातियों के अलावा कुछ और भी जातियां हैं जिनकी शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर बहुत पिछड़ा है। राजभर, निशाद, मल्लाह, कहार, कश्यप, कुम्हार, धीमर, बिन्द, प्रजापति, धीवर, बियार, केवट, बाथम, मछुआ, तुराहा, माझी, गौड़, ये जातियां बहुत पीछे हैं। इनका कोई विकास नहीं हो रहा है। इनकी बराबर पुरानी मांग है कि इन्हें पिछड़ी जाति से हटाकर अनुसूचित जाति में शामिल किया जाए। उत्तर प्रदेश विधान सभा ने प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजा है। केंद्र सरकार के पास मामला लंबित पड़ा हुआ है। हमने लगातार हाउस में आवाज उठाई है और तमाम बातें कही हैं। हमारे नेता माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने भी इस बात को उठाया है लेकिन सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आ पा रहा है। इसी प्रकार कोल जाति अनुसूचित जाति में है जो अनुसूचित जनजाति में जाना चाहती है।

आपने मेरी बात सुनी है, इसके लिए बहुत धन्यवाद। मेरा आपसे निवेदन है कि सरकार की तरफ से पोजीटिव जवाब आए, सकारात्मक जवाब आए क्योंकि ये 17 जातियां समाज में बहुत पिछड़ी हैं, इनका विकास नहीं हो पा रहा है, इनका जीवनस्तर बहुत खराब है। हम चाहते हैं कि आप सरकार को निर्देशित करें ताकि कोई पोजीटिव जवाब आए और इन जातियों को न्याय मिल सके। यही मेरा निवेदन है। हम चाहते हैं कि सरकार की तरफ से कोई जवाब आए। यह बहुत गंभीर मामला है। ...(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): मैं बिहार में भी कुछ जातियों के लिए अनुसूचित जाति के लिए मांग कर रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपना नाम पटल पर जोड़ने के लिए भेज दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): माननीय अध्यक्ष महोदया, कुछ जातियों को छोड़ दिया गया था, मैं उनके बारे में कुछ कहना चाहता हं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अभी शैलेन्द्र जी बोल रहे हैं। आपको बुलाएंगे। आपका नाम इसमें है। बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शैलेन्द्र जी के अलावा किसी और की बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए। आपको बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : इन्होंने समाज के संरचना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। समाज और देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Hon. Member, please do not disturb him.

...(*Interruptions*)

श्री शैलेन्द्र कुमार : हम चाहते हैं कि आप सरकार को निर्दशित करें कि सरकार कोई सकारात्मक जवाब दे और इस पर विचार करे। पिछली सरकार ने भी प्रस्ताव भेजा है और इस बार भी उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रस्ताव बनाकर भेजा है। हम चाहते हैं कि सरकार की तरफ से कोई जवाब आए। हमने बराबर मांग की है।

संसदीय कार्य मंत्री जी यहां बैठे हैं, तमाम कैबिनेट मिनिस्टर बैठे हैं। इस पर जवाब आना चाहिए। उत्तर प्रदेश में सच्चर कमेटी आयोग की रिपोर्ट भी लागू नहीं की गई है। मुस्लिमों की स्थिति दलितो से भी बदतर है, यह सच्चर आयोग ने लिखा है। आज तक सरकार ने इस पर कोई डिसकशन नहीं किया और न ही कोई सकारात्मक जवाब आया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : तमाम ऐसी जातियां हैं, जिस पर सरकार को जवाब देना चाहिए, विचार करना चाहिए। लेकिन सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आ रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। दारा सिंह जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : हम चाहेंगे कि आप सरकार को निर्देशित करें ताकि कोई जवाब आए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बाध्य नहीं कर सकते, आप भी यह बात जानते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : जब तक जवाब नहीं आएगा, हम बैठ नहीं पाएंगे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जवाब के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : हमने बार-बार लगातार यह समस्या उठाई है। उत्तर प्रदेश विधान सभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव बनाकर भेजा है। कम से कम सरकार की तरफ से जवाब आए कि विचार कर रहे हैं या करेंगे।...(व्यवधान) यह जवाब आना चाहिए। आप सरकार को निर्देशित करें कि कोई जवाब आए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यहां कई मंत्रीगण बैठे हैं और आपकी बात सुन रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप दारा सिंह जी को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : जब तक जवाब नहीं आएगा, हम लोग कैसे बैठेंगे? कम से कम सरकार इस पर कोई जवाब दे। हम चाहते हैं कि फाइनेंस बजट पास हो। हम इसके लिए कटिबद्ध हैं। हम बजट पास कराने के लिए तैयार हैं। हम चाहते हैं कि सरकार की तरफ से कोई जवाब आए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : आप सरकार को इंगित करें ताकि सरकार से कोई जवाब मिले। हम आपसे मांग करते हैं। हमारा विनम्र निवेदन है। ये जातियां बहुत उपेक्षित हैं। समाज में इनका स्तर बहुत पीछे है। हम चाहते हैं कि सरकार की तरफ से जवाब आए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री सोहन पोटाई और

श्री निशिकांत दुबे को शैलेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध किया जाए।

श्री दारा सिंह चौहान : माननीय अध्यक्ष महोदया, जब उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी तब बहुत सी जातियां छूटी हुई थीं, उन सारी जातियों को शामिल करके विधान सभा से पास करके यहां भेजा गया था। तब आरक्षण का कोटा बढ़ा कर इन जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की सिफारिश की गई थी। मैं चाहता हूं कि जब माननीय मायावती जी मुख्यमंत्री था तब प्रस्ताव विधान सभा से पास कराकर भेजा गया था। आज जो लिस्ट आई है उसमें कुछ जातियों को छोड़ा गया था लेकिन ये पहली लिस्ट में शामिल हैं। मेरा निवेदन है कि इन जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किया जाए।

इसके साथ ही मेरा निवेदन है कि राज्य सभा में एससी एसटी का प्रमोशन में आरक्षण का पेंडिंग बिल तुंत पास कराया जाए। हमारी यह मांग है।